बाबू बालमुकुंद गुप्त
हिंदी साहित्य परिषद
सत्रः-2023-24

राजकीय कन्या महाविद्यालय, पलवल के हिंदी विभाग द्वारा बाबू बालमुकुंद गुप्त हिंदी भाषा व साहित्य परिषद् की कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। इसके लिए आज एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ॰ कृष्ण कुमार ने करते हुए बताया कि बाबू बालमुकुंद गुप्त जी आधुनिक हिंदी साहित्य के बहुत बड़े निबंधकार व गद्यकार थे। जिनका जन्म हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गुड़यानी नामक गांव में हुआ था। उनके हिंदी साहित्य में योगदान को सम्मान देते हुए साहित्य परिषद् का नामकरण उनके नाम से किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए सहायक प्रोफेसर डॉ सुनील थुआ ने बताया कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में निकिता एम॰ए॰ हिंदी अंतिम वर्ष को साहित्य परिषद् का अध्यक्ष, एम॰ए॰ हिंदी प्रथम वर्ष की छात्रा लक्ष्मी को उपाध्यक्ष, अस्मिता को सचिव व आरजू को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। इसके अतिरिक्त एम॰ए॰ हिंदी प्रथम वर्ष की छात्रा रजनी को परिषद् का संयोजक चुना गया। बी॰ए॰ अंतिम वर्ष की छात्रा आरजू को सावित्री बाई फुले पाठक मंच का प्रभारी बनाया गया है। साहित्य परिषद की कार्यकारिणी में विभिन्न कक्षाओं के ग्यारह अन्य विद्यार्थियों को इसका सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गगनदीप कौर ने नई कार्यकारिणी में चुने गए सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम का समापन करते हुए हिंदी प्राध्यापिका डॉ सीमा दीक्षित ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य परिषद के अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

महाविद्यालय में 7 अक्टूबर, 2023 को आयोजित बाबू बालमुकुंद गुप्त हिंदी भाषा व साहित्य की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की सूची निम्न है -

बाबू बालमुकुंद साहित्य परिषद की कार्यकारिणी
सत्र - 2023 - 2024 (सूची)

Date: / /20
Page:

Sr. No.	पद	नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	मोबाईल नं.	हस्ताक्षर
1.	अध्यक्ष	निकिता	एम. ए. हिंदी (द्वितीय)	223002	7082384415	Nikita
2.	उपाध्यक्ष	लक्ष्मी	एम. ए. हिंदी (प्रथम)	2232408007	8307532149	लक्ष्मी
3.	सचिव	अस्मिता	एम. ए. हिंदी (प्रथम)	2232408001	7015496745	अस्मिता
4.	वित्त सचिव	आरजू	एम. ए. हिंदी (प्रथम)	2232408027	8307093884	आरजू
5.	संयोजक	रजनी	एम. ए. हिंदी (प्रथम)	2232408002	7495020297	रजनी
6.	सह-संयोजक	आरजू	बी. ए. तृतीय वर्ष	1210821002163	9306499292	आरजू
7.						
8.						
9.						
10.						

इसके अतिरिक्त साहित्य परिषद में निम्नलिखित सदस्य विद्यार्थियों का चयन किया गया :-

Sr. No.	नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	मोबाईल नं.	हस्ताक्षर
1.	चिराग	एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)	2232408016	870560915	चिराग
2.	चेतना	एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)	2232408006	9350542483	Chetana
3.	दीपा	एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)	2232408020	9138315158	Deepa Devi
4.	मंदीप	एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)	2232408005	7206253187	Mandeep
5.	सुष्मा	एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)	2232408004	9050740046	Sushma Devi
6.	स्नेहा	बी. ए. तृतीय वर्ष			
7.	प्रभज्योत	बी. ए. द्वितीय वर्ष	1220821002111	9034481285	Parabjot
8.	मिली	बी. ए. तृतीय वर्ष	1210821002013	9306612372	मिली
9.	सोनिया	एम. ए. प्रथम वर्ष	2232408012	9588783764	सोनिया
10.	नेहा	बीकॉम प्रथम वर्ष	1230269219	8950013461	नेहा Neha
11.					

(कृष्ण कुमार)

Sajal
Date : / /20
Page :

निकिता बनीं साहित्य परिषद की अध्यक्ष

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर के साथ चयनित छात्राएं । संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

कुरुक्षेत्र। राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल के हिंदी विभाग की ओर से बाबू बालमुकुंद गुप्त हिंदी भाषा व साहित्य परिषद की कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। प्रो. डॉ. सुनील थुआ ने बताया की कार्यकारिणी में एमए हिंदी अंतिम वर्ष की छात्रा निकिता को अध्यक्ष चुना गया।

इसी तरह एमए हिंदी प्रथम वर्ष की छात्रा लक्ष्मी को उपाध्यक्ष, अस्मिता को सचिव और आरजू को कोषाध्यक्ष चयनित किया गया है। वहीं एमए हिंदी प्रथम वर्ष की छात्रा रजनी को परिषद का संयोजक चुना गया और बीए अंतिम की छात्रा आरजू को सावित्री बाई फुले पाठक मंच का प्रभारी बनाया गया है।

कार्यकारिणी सदस्य के लिए 11 विद्यार्थियों को चयनित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर भी मौजूद रहीं।

अमर उजाला
08/10/2023

बाबू बालमुकुंद गुप्त हिंदी भाषा व साहित्य परिषद की कार्यकारिणी का किया पुनर्गठन

साहित्य परिषद की कार्यकारिणी में विभिन्न कक्षाओं के ग्यारह अन्य विद्यार्थियों को सदस्य मनोनीत किया गया

कार्यकारिणी

8 बाबू बालमुकुंद आधुनिक हिंदी साहित्य के बहुत बड़े निबंधकार व गद्यकार थे : डॉ कृष्ण कुमार

रजनी को परिषद का संयोजक चुना गया है व बीए अंतिम की छात्रा आरजू को सावित्री बाई फुले पाठक मंच का प्रभारी बनाया गया है। साहित्य परिषद की कार्यकारिणी में विभिन्न कक्षाओं के ग्यारह अन्य विद्यार्थियों को इसका सदस्य मनोनीत किया गया।

सारी दुनिया
8/10/2023

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिन्दी के कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जयंती मनाई गई। इस अवसर पर हिन्दी विभाग व पुस्तकालय समिति द्वारा :"प्रेमचंद से मिलिए" संवाद कार्यक्रम करवाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ गगनदीप कौर ने इसकी अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि कोई भी रचनाकार अपने विषयों व पात्रों का चुनाव अपने परिवेश से करता है व उन्हें समाज के सामने रखता है। प्रेमचंद ने भारतीय समाज के सभी तत्कालीन मुद्दों को केंद्र में रखकर अपने साहित्य की रचना की थी। वर्तमान दौर में भी उनका साहित्य प्रांसगिक है। इस संवाद में मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए डॉ कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रेमचंद जी का साहित्य भारतीय समाज का दर्पण है। जिसमें हमारे देश के इतिहास, दर्शन, कला व संस्कृति विद्यमान है। आज के दौर में इन्हें समझने में सहायता करता है। प्रेमचंद भारत की तमाम समस्याओं जैसे गरीबी, बेरोजगारी, जातिवाद, साम्प्रदायिकता, अंधविश्वास आदि पर कड़ी चोट की है। इसके अलावा उन्होंने किसान, मजदूर, दलितों व महिलाओं से जुड़े यथार्थ को विमर्शों के माध्यम से आमजन के सामने रखा था। इस संवाद कार्यक्रम के संयोजक व मंच संचालन कर रहे हिन्दी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ सुनील थुआ ने कहा कि प्रेमचंद ने पहली बार साहित्य को आम आदमी से जोड़ा था व उसके जीवन के विषयों को साहित्य में स्थान दिया जबकि इससे पहले साहित्य उच्च वर्ग के मनोरंजन की वस्तु मात्र बनकर रह गया था। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की तरफ से महाविद्यालय पुस्तकालय के लिए मुंशी प्रेमचंद की समस्त तीन सौ कहानियों का संकलन कर्ता कमल किशोर गोयनका द्वारा संपादित नया मानसरोवर

Date : / /20
Page :

आठ खण्ड निःशुल्क भेंट किया। इस अवसर पर डॉ सीमा दीक्षित ने सभी को प्रेमचंद का साहित्य पढ़ने के लिए दिया व सबका आभार प्रकट किया। इस समारहो में चीफ प्रॉक्टर डॉ मीनाक्षी, डॉ बीरइंद्र कौर, डॉ इकबाल कौर, डॉ राजीव, डॉ राजबीर, प्रोफेसर सतबीर सहित समस्त शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

1 अगस्त 2023 अमर उजाला (पृष्ठ) पेज न० 4

(1)

कार्यक्रम — राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में मनाई गई मुंशी प्रेमचंद जयंती

'प्रेमचंद से मिलिए' कार्यक्रम में रखे विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में मुंशी प्रेम चंद की पुस्तिका का विमोचन करती प्राचार्य व अन्य। संवाद

कुरुक्षेत्र। राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में हिंदी के साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में हिंदी विभाग और पुस्तकालय समिति की ओर से प्रेमचंद से मिलिए संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. गगनदीप कौर ने कहा कि कोई भी रचनाकार अपने विषयों व पात्रों का चुनाव अपने परिवेश से करता है और उन्हें समाज के सामने रखता है। मुंशी प्रेमचंद ने भारतीय समाज के सभी तत्कालीन मुद्दों को केंद्र में रखकर अपने साहित्य की रचना की।.

मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रेमचंद का साहित्य भारतीय समाज का दर्पण है, जिसमें हमारे देश के इतिहास, दर्शन कला और संस्कृति [illegible]मान है। मुंशी प्रेमचंद ने समाज की [illegible]मा्म समस्याओं गरीबी, बेरोजगारी, जातिवाद, सांप्रदायिकता, अंधविश्वास पर कड़ी चोट की है। डॉ. सुनील थुआ ने कहा कि प्रेमचंद ने भारतीय साहित्य में पहली बार साहित्य को आम आदमी से जोड़ा था।

उसके जीवन के विषयों को साहित्य में स्थान दिया, जबकि इससे पहले साहित्य उच्च वर्ग के मनोरंजन की वस्तु मात्र बनकर रह गया था। इसके पश्चात कार्यक्रम में हिंदी विभाग की ओर से महाविद्यालय के पुस्तकालय के लिए मुंशी प्रेमचंद की समस्त तीन सौ कहानियों का संकलन निशुल्क भेंट किया गया। इस मौके पर डॉ. मीनाक्षी, डॉ. सीमा दीक्षित, डॉ. बीर इंद्र कौर, डॉ. इक़बाल कौर, डॉ. राजीव, डॉ. राजबीर, प्रो. सतबीर सहित अन्य मौजूद रहे।

1 अगस्त 2023 पेज न० 4 — पंजाब केसरी कुरुक्षेत्र

Sajal
Date : / /20
Page :

अगस्त 2023 दैनिक भास्कर (कुरुक्षेत्र) पेज नं० 4

मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य में उठाई भारतीयों की समस्याएं: डॉ. कृष्ण

कुरुक्षेत्र। राजकीय कन्या महाविद्यालय [illegible], कुरुक्षेत्र में [illegible] के हिंदी के कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई। हिंदी विभाग व पुस्तकालय समिति ने प्रेमचंद से मिलिए संवाद कार्यक्रम करवाया। प्राचार्या डॉ. [illegible] कौर ने बताया कि प्रेमचंद ने भारतीय समाज के सभी तत्कालीन मुद्दों को केंद्र में रखकर अपने साहित्य की रचना की थी। वर्तमान दौर में भी उनका साहित्य प्रासंगिक है। डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रेमचंद का साहित्य भारतीय समाज का दर्पण है। मंच संचालन डॉ. सुनील थुआ ने किया। हिंदी विभाग की ओर से कॉलेज पुस्तकालय के लिए प्रेमचंद की समस्त 300 कहानियों का संकलनकर्ता कमल किशोर गोयनका द्वारा संपादित नया मानसरोवर 8 खंड [illegible] भेंट किया। मौके पर डॉ. [illegible], चीफ प्रॉक्टर डॉ. [illegible], डॉ. [illegible] और डॉ. इकबाल कौर, डॉ. राजीव, डॉ. राजवीर और प्रो. सतबीर मौजूद रहे।

15 सित०, 2023

Date: / /20 2.

Page:

प्रेमचंद की बड़े भाई साहब कहानी व अब्राहम लिंकन के पत्र का पाठ करके मनाया गया शिक्षक दिवस

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिन्दी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य परिषद के तत्वावधान में शिक्षक दिवस मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गगनदीप कौर ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियो द्वारा लाए गए केक को काटकर सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी। तत्पश्चात अपने वक्तव्य में बताया कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है। वो शिक्षक के पद से भारत के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर आसीन हुए। शिक्षक किसी भी राष्ट्र के सच्चे निर्माता हैं। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के माध्यम से देश के भविष्य को आकार देने का काम करते हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ कृष्णा कुमार ने की। उन्होंने हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की लोकप्रिय कहानी "बड़े भाई साहब" के पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को सिखने सिखाने के महत्व व तौर तरीकों में आये बदलावों को रेखांकित किया। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में परंपरागत नजरिये व विचारों को छोड़कर आधुनिकता को अपनाना होगा। इसके बाद साहित्य परिषद के संयोजक डॉ सुनील थुआ ने अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपीत अब्राहम लिंकन द्वारा अपने बेटे के शिक्षक के नाम लिखे गये विश्व प्रसिद्ध पत्र के मधुकात द्वारा किये गये हिंदी अनुवाद का वाचन विद्यार्थियों के प्रति दायित्व व भूमिकाओं को विस्तृत रूप से व्याख्यायित किया गया है। कॉलेज की चीफ प्रॉक्टर डॉ मीनाक्षी ने बताया कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होते हैं।

Date: / /20
Page:

शिक्षक अपने जीवन के अधूरे सपनों को अपने छात्रों के माध्यम से साकार करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक डॉ सीमा दीक्षित ने बताया कि सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम शिक्षिका थीं जिन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोले। अतः विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी का हार्दिक आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षक व विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में भाग [illegible]

राजकीय कन्या महाविद्यालय में हिन्दी [illegible] के अन्तर्गत कहानी पाठ प्रतियोगिता [illegible]

कुरुक्षेत्र, 10 सितम्बर [illegible] अरोड़ा): राजकीय [illegible] महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिंदी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वाधान में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हिंदी के विभिन्न साहित्यकारों की कहानियों पर आधारित कहानी पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने इन कहानियों के माध्यम से हिंदी साहित्य के [illegible] सामाजिक मुद्दों पर [illegible] संवेदनशील [illegible] को प्रस्तुत किया।

[illegible]

[illegible]

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिन्दी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वाधान में हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज हिन्दी के विभिन्न साहित्यकारों की तस्वीर व उनकी साहित्यिक पंक्तियां व उद्धरण लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डॉ सुनील शुभा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने आधुनिक व समकालीन हिन्दी साहित्यकारों जैसे भारतेन्दु, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, धर्मवीर भारती मोहन राकेश, नागार्जुन, ओम-प्रकाश वाल्मीकि आदि रचनाकारों पर सृजनात्मक ढंग से पोस्टर, चार्ट पर पंक्तियों का लेखन किया। साहित्य सभा की सह-संयोजक डॉ सीमा दीक्षित ने बताया कि साहित्यकार पोस्टर मेंकिंग में एम. ए हिन्दी छात्राएं क्रमशः सोनिया प्रथम, लक्ष्मी द्वितीय व आँचल तृतीय स्थान पर रहीं। साहित्यिक पंक्तियों के लेखन में एम. ए हिंदी की छात्राएं प्रीति द्वितीय आरजू तृतीय स्थान पर रहीं। साहित्यिक पंक्तियों के लेखन में एम. ए हिन्दी की छात्राएं प्रीति द्वितीय, आरजू तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ मंजीत, डॉ पूजा व प्रोफेसर अमिता व मनीषा रहीं। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रूचि व समझ का विकास होता है जिससे वो भविष्य में बेहतर नागरिक बनते हैं।

Date: / /20
Page:

10 सितंबर 2023 कुरुक्षेत्र जागरण पेज नं० 3

कहानी पाठ प्रतियोगिता में बीए अंतिम वर्ष की मिली प्रथम

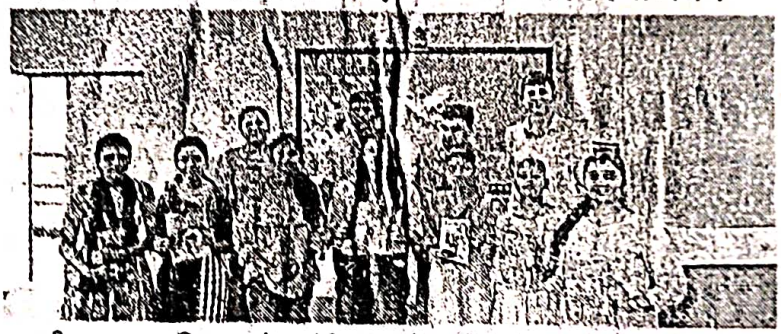

राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं के साथ निर्णायक मंडल के सदस्य। • सौजन्य : संस्थान

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में हिंदी कहानी पाठ प्रतियोगिता में बीए अंतिम वर्ष की मिली प्रथम रही है, जबकि एमए हिंदी की रजनी दूसरे और बीए अंतिम वर्ष की आरजु तीसरे स्थान पर रही है। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. गगनदीप कौर ने विजेता छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है। छात्राओं को इनमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डा. सुनील थुआ ने बताया कि यह प्रतियोगिता राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल के हिंदी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वावधान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा में मनाई गई। इस पखवाड़े में हिंदी के विभिन्न साहित्यकारों की कहानियों पर आधारित कहानी पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। साहित्य सभा की सह संयोजक डा. सीमा दीक्षित ने बताया कि इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डा. राजीव व डा. रामबीर शामिल रहे।

10 सितम्बर 2023 अमर उजाला (my city) पेज नं० 3

3

कहानी पाठ प्रतियोगिता में बीए अंतिम वर्ष की मिली प्रथम

राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं के साथ निर्णायक मंडल के सदस्य। ● सौजन्य : संस्थान

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में हिंदी कहानी पाठ प्रतियोगिता में बीए अंतिम वर्ष की मिली प्रथम रही है, जबकि एमए हिंदी की रजनी दूसरे और बीए अंतिम वर्ष की आरजु तीसरे स्थान पर रही है। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. गगनदीप कौर ने विजेता छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है। छात्राओं को इनमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डा. सुनील थुआ ने बताया कि यह प्रतियोगिता राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल के हिंदी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वावधान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा में मनाई गई। इस पखवाड़े में हिंदी के विभिन्न साहित्यकारों की कहानियों पर आधारित कहानी पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। साहित्य सभा की सह संयोजक डा. सीमा दीक्षित ने बताया कि इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डा. राजीव व डा. राजबीर शामिल रहे।

सितम्बर 2023 अमर उजाला (my city) पेज न० 3

विजेता खिलाड़ी अपने सम्मान के साथ। संस्थान

कहानी पाठ मुकाबले में मिली प्रथम, रजनी द्वितीय

कुरुक्षेत्र। राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में हिंदी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वावधान में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत शनिवार को हिंदी के विभिन्न साहित्यकारों की कहानियों पर आधारित कहानी पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें बीए अंतिम वर्ष की छात्रा मिली ने प्रथम, एमए हिंदी की छात्रा रजनी ने द्वितीय और एम हिंदी की आरजू ने तीसरा स्थान हासिल किया। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डॉ. सुनील थुआ ने बताया कि कहानी पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आधुनिक व समकालीन हिंदी कहानियों जैसे प्रेमचंद की बड़े भाई साहब, [illegible], सद्गति, मोटेराम शास्त्री, यशपाल की करुणा का व्रत, मोहन राकेश की मलबे के मालिक, मैत्री पुष्पा की फैसला कहानियों का पाठ किया गया। प्राचार्या डॉ. गगनदीप कौर ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में साहित्य [illegible]

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिन्दी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वाधान में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज हिन्दी के विभिन्न साहित्यकारों की कहानियों पर आधारित कहानी पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डॉ सुनील थुआ ने बताया कि कहानी पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आधुनिक व समकालीन हिन्दी कहानियों जैसे प्रेमचंद की बड़े भाई साहब, कफ़न, सदगति, मोटेराम शास्त्री रवीन्द्र नाथ टैगोर की तोता, यशपाल की करवा का व्रत, मोहन राकेश की मलबे के मालिक, मैत्री पुष्पा की फैसला व ओमप्रकाश वाल्मीकि की पच्चीस चौका डेढ़ सौ जैसी कालजयी कहानियों का पाठ किया गया। विद्यार्थियों ने इन कहानियों के माध्यम से हिंदी साहित्य के प्रचलित सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित स्त्री विमर्श, दलित विमर्श आदि के माध्यम से संवेदनशील विषयों को प्रस्तुत किया। साहित्य सभा की सह संयोजक डॉ सीमा दीक्षित ने बताया कि कहानी पाठ प्रतियोगिता में बी.ए अंतिम वर्ष की छात्रा मिली प्रथम व एम.ए अंतिम वर्ष की छात्रा मिली प्रथम व एम.ए हिंदी छात्राएं क्रमशः रजनी द्वितीय व एम हिंदी की आरजु व, बी.ए तृतीय वर्ष छात्रा आरजु ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ राजीव ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि व समझ का विकास होता है। जिससे वो भविष्य में बेहतर नागरिक बनते हैं। विद्यार्थियों ने अपने कहानी पाठ के माध्यम से समाज में व्याप्त सामाजिक बुराइयां व

समस्याओं का यथार्थ चित्रण किया है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ गगनदीप कौर ने सभी प्रतिभागियों में विजेताओं को बधाई व शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भाषण में आरजू पहले तो रजनी द्वितीय

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में भाषण प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली छात्राएं स्टाफ के साथ। संवाद

द न्यूज एजेंसी

क्षेत्र। राजकीय कन्या महाविद्यालय ल में हिंदी विभाग को बाबू मुकुंद गुप्त साहित्य सभा की ओर से पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बीए अंतिम वर्ष की छात्रा आरजू ने पहला, एमए हिंदी की छात्रा रजनी ने दूसरा, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा नेहा रानी ने तीसरा स्थान हासिल किया। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डॉ. सुनील थुआ ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के विश्व स्तर बढ़ते प्रभाव, हिंदी में रोजगार की संभावनाएं, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हिंदी का प्रभाव, मीडिया और हिंदी भाषा जैसे विषयों पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर बताया कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि और समझ का विकास होता है। इस मौके पर डॉ. सीमा दीक्षित, डॉ. अशोक गर्ग, डॉ. राजबीर सहित अन्य मौजूद रहे।

1.2.23 दैनिक भास्कर (कुरुक्षेत्र) पेज नं 4

भाषण प्रतियोगिता में दीपांशी रही प्रथम

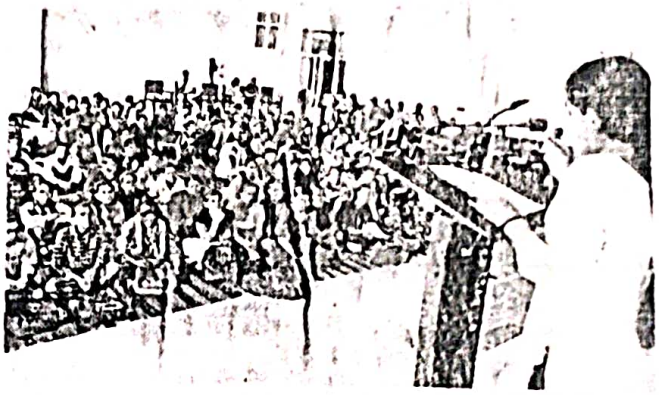

कुरुक्षेत्र। कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्रा।

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

राजकीय कन्या कॉलेज पलवल में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की ओर से 2 दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्यातिथि कॉलेज प्राचार्या डॉ. गगनदीप कौर रहीं। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन व प्रशिक्षण से प्रतिभा को संवारा जा सकता है। पहले दिन भाषण, काव्य पाठ, प्रश्नोत्तरी व पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में बीसीए प्रथम वर्ष की दीपांशी ने पहला, श्रुति बीए अंतिम वर्ष ने दूसरा और बीएससी प्रथम की प्रदन्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम वर्ष की रंजन पहले, बीए प्रथम वर्ष की प्रियंका दूसरे और हिमांशी बीए प्रथम वर्ष की छात्रा तीसरे स्थान पर रही। पेंटिंग प्रतियोगिता में निकिता ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय और महक ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सजना की टीम पहले, दिव्या की टीम दूसरे और दीपांशी की टीम तीसरे स्थान पर रही। मंच संचालन डॉ. सुनील धुआ ने किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. मंजू, डॉ. सतबीर और डॉ. विनय ने निभाई। मौके पर कॉलेज काउंसलिंग सदस्य डॉ. चंचल, डॉ. बीर इंद्र कौर और डॉ. इकबाल कौर मौजूद रही।

Sajal
Date : / /20
Page :

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिन्दी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वाधान में हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज हिंदी के भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी साहित्य सभा के संयोजक डॉ सुनील शुभा ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा की राष्ट्र भाषा, राजभाषा व मातृभाषा के तौर पर दशा दिशा पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के विश्व स्तर बढ़ने प्रभाव, हिंदी में रोजगार की सम्भावनाएं, राष्ट्रीय एकता व हिंदी, विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र का प्रभाव, मीडिया व हिंदी भाषा जैसे ज्वलंत विषयों पर विस्तृत रूप में प्रकाश डाला। साहित्य सभा की सह-संयोजक डॉ सीमा दीक्षित ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में बी. ए अंतिम वर्ष की छात्रा आरजू प्रथम व एम. ए हिंदी की छात्रा रजनी द्वितीय, बीए प्रथम वर्ष छात्रा नेहा रानी तृतीय स्थान हासिल। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ अशोक गर्ग व डॉ राजवीर में मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ अशोक गर्ग ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि व समझ का विकास होता है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ गगनदीप कौर ने सभी प्रतिभागियों में विजेताओं को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल, कुरुक्षेत्र में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत काव्य पाठ करवाया गया इस कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या डॉ गगनदीप कौर ने सरस्वती प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपने संदेश बताया कि महाविद्यालय में नवोदित विद्यार्थियों को समाहित प्रतिभाओं को निखारने के लिए हर साल यह मंच प्रदान किया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थियों में जन्मजात बहुत सारी सृजन व कला शक्ति होती है उन्हें उचित मार्गदर्शन व प्रशिक्षण द्वारा संवारा जा सकता है। आज के आयोजन में भाषण, काव्य पाठ, प्रश्नोत्तरी व पेंटिंग प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपने जौहर दिखाए। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार ने आज की इवेंट के परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। भाषण प्रतियोगिता में बी ए सी प्रथम वर्ष की दीपांशी ने पहला स्थान व श्रुति बी ए अंतिम वर्ष ने दूसरा व बी एस सी प्रथम की प्राध्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार से काव्य पाठ प्रतियोगिता में लक्ष्मी एम. ए. हिंदी ने प्रथम श्रुति अंतिम वर्ष दूसरा स्थान रजनी एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा ने तीसरा स्थान पाया।

पेंटिंग प्रतियोगिता में निकिता बीएससी वर्ष ने प्रथम स्थान, प्रीति एम. ए. हिंदी प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान व महक बी ए द्वितीय वर्ष ने तीसरा स्थान हासिल। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सजना की टीम में प्रथम दिव्या की टीम ने दूसरा स्थान व दीपांशी की टीम ने तीसरा स्थान पाया।

इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ सुनील शुआ ने किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ मंजू, डॉ सतबीर, डॉ विनय ने बखूबी निभाई। इस अवसर पर कालेज काउंसलिंग सदस्य उपस्थित रहे।

लोग ले रहे रुचि, हिंदी की बढ़ रही साख

राजकीय कन्या महाविद्यालय में शिक्षकों और छात्राओं ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संवाद में रखे विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

कुरुक्षेत्र। अपनी बात को कहने के लिए हिंदी भाषा ही एक ऐसी सशक्त भाषा है, जससे हम अपनी बात को आसानी से कह सकते है, भले ही हम किसी भाषा में बात करते हो, लेकिन हिंदी भाषा में हर व्यक्ति अपनी बात को आसानी से कह सकता है।

देश के 125 करोड़ लोगों में से लगभग 3 करोड़ लोग आज हिंदी में बोलकर अपने विचारों का आदान-प्रदान कर रहे है। हिंदी भाषा के बढ़ते प्रचलन के चलते अब इंटरनेट पर हिंदी जानने, समझने और बोलने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

हिंदी में लोगों की रुचि को देखते हुए अब कई संस्थानों की वेबसाइटों को हिंदी में भी शुरू किया जाने लगा है। उक्त विचार राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल के शिक्षकों एवं छात्राओं ने हिंदी दिवस को लेकर अमर उजाला की ओर से आयोजित संवाद कार्यक्रम में व्यक्त किए और हिंदी की बढ़ती साख पर विस्तार से चर्चा की। कहा कई देशों में हिंदी का प्रचलन बढ़ रहा है और लोग इसमें रुचि भी ले रहे हैं।

राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रतिभागी। संवाद

हिंदी को महत्व देना जरूरी : अस्मिता

छात्रा अस्मिता का कहना है कि हिंदी से देश की संस्कृति जुड़ी हुई है। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान में आज हिंदी का प्रयोग सबसे अधिक हो रहा है। इसलिए हिंदी को सरकारी कार्यों में भी महत्व दिया जाना चाहिए।

हिंदी भाषा पर होना चाहिए गर्व : आरजू

छात्रा आरजू ने कहा कि आज कई तरह की भाषाएं होने के बाद भी हिंदी का प्रयोग सबसे अधिक किया जा रहा है। इसलिए सभी को हिंदी भाषा पर गर्व करना चाहिए। आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हिंदी बोली जाने लगी है।

विदेशों में भी हिंदी का चलन बढ़ा : डॉ. गगनदीप

आचार्य डॉ. गगनदीप कौर का कहना है कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, अब विश्व भर की वेबसाइट भी हिंदी को तवज्जो देने में जुटी हुई हैं। ईमेल, इंटरनेट, एसएमएस सहित कई अन्य वेबसाइटों ने वेब जगत में हिंदी के प्रचलन को बढ़ावा देने का काम किया है।

सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग जरूरी : डॉ. कृष्ण

हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार का कहना है कि हिंदी भाषा को वर्ष 1949 में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया गया था, आज भी अधिकतर सरकारी कार्यालयों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जा रहा। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए सरकारी कार्यालयों में हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए।

हिंदी के नियम लागू करना जरूरी : डॉ. चंचल

डॉ. चंचल का कहना है कि हिंदी का अधिक प्रयोग करने के लिए हर वर्ष हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को अधिक से अधिक जागरूक किया जा सके, लेकिन जब तक संविधान में हिंदी भाषा के प्रयोग के लिए बनाए गए नियमों को लागू नहीं किया जाता तब तक हिंदी भाषा की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता।

वैश्विक स्तर पर हो रहा हिंदी का प्रयोग : डॉ. सुनील

महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. सुनील थुआ का कहना है कि वर्तमान में हिंदी भाषा वैश्विक स्तर पर बाजार और व्यापार की भाषा बन गई है, आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर पर हिंदी भाषा का सर्वाधिक प्रयोग कर रही है।

देश ही नहीं विदेशों में भी पहचान : डॉ. सीमा

डॉ. सीमा देवी का कहना है कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिससे देश की संस्कृति भी जुड़ी हुई है। हिंदी हमारे भावों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। हिंदी के माध्यम से लोग एक दूसरे से बातचीत करना सीखते है। आज हिंदी देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना रही है।

अब गूगल सर्च पर भी मिल रही जानकारियां : सोनिया

छात्रा सोनिया ने कहा कि हिंदी दिवस 14 सितंबर को इसलिए मनाया जाता है, ताकि हिंदी भाषा के बारे में लोगों को जागरूक किया जा सके। आज हिंदी का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा किया जाने लगा है, यहां तक कि गूगल पर सर्च करने पर भी हिंदी में कई तरह की जानकारियां मिल रही हैं।

Date : / /20
Page :

२०२३ दैनिक भास्कर (कुरुक्षेत्र) पेज नं.-५

राजकीय कन्या कॉलेज पलवल में हिंदी सप्ताह का समापन

कुरुक्षेत्र | हिंदी दिवस पर राजकीय कन्या कॉलेज पलवल में गुरुवार को हिंदी सप्ताह का समापन हुआ। हिंदी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा की ओर से सप्ताहभर भाषण, निबंध, काव्य पाठ, कहानी पाठ, पोस्टर व चार्ट मेकिंग व अन्य साहित्यिक प्रतियोगिताएं करवाई गई। अंतिम दिन विस्तार व्याख्यान करवाया गया, जिसमें मुख्य वक्ता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार रहे। डॉ. कृष्ण ने कहा कि हिंदी भाषा व साहित्य के व्यवहारिक पक्षों को हमें जीवन में अपनाना होगा। हिंदी महोत्सव के संयोजक डॉ. सुनील थुआ ने बताया कि हिंदी भाषा को सूचना प्रौद्योगिकी व तकनीक के साथ जोड़ना जरूरी है। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. चंचल ने प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

Date : / /20
Page :

आज हिंदी दिवस सुअवसर पर राजकीय कन्या महाविद्यालय पलवल कुरुक्षेत्र में हिंदी सप्ताह का समापन हुआ। हिंदी विभाग की बाबू बालमुकुंद गुप्त साहित्य सभा के तत्वाधान में पूरे सप्ताह भर भाषण, निबंध, काव्य पाठ, कहानी पाठ, पोस्टर व चार्ट मेकिंग व अन्य साहित्यिक प्रतियोगिताओं भव्य आयोजन हुआ।

आज इस शृंखला में अंतिम दिन विस्तार व्याख्यान करवाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के बतौर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि हिंदी भाषा व साहित्य को हमें जीवन में व्यवहारिक पक्षों को अपनाना होगा। वर्तमान में हिंदी भाषा को प्रशासन शासन की भाषा बनाना होगा तभी इसका हम सही मायनों में सम्मान कर सकते हैं। हिंदी महोत्सव के संयोजक डॉ सुनील चुघा ने बताया कि हिंदी भाषा को सूचना प्रौद्योगिकी व तकनीक के साथ जोड़ना आवश्यक है। तभी हिंदी में रोजगार व व्यवसाय की संभावनाएं बढ़ेंगी। महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ चंचल ने हिंदी महोत्सव का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा हमारे लिए सिर्फ भाषा नहीं बल्कि मातृभाषा है। हिंदी से हमें माँ के समान संस्कार व संस्कृति प्राप्त होती है। कार्यक्रम के अंत हिंदी महोत्सव की सह संयोजिका डॉ सीमा देवी ने सभी विशिष्ट मेहमानों का हार्दिक आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ प्रतिभागिता की।